अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2013) | दिनांक 19.12.2013

तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

बावन बोल – 20

प्र.1 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें – 12

(क) जीव पारिणामिक के दस भेद छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ख) चौदह गुणस्थानों में आश्रव और संवर के बोल कितने–कितने पाते हैं?

(ग) आठ कर्मों का बंध, उदय, सत्ता किस–किस गुणस्थान तक?

(घ) चौबीस दण्डकों में लेश्या कितनी?

(ङ) श्रावक के बारह व्रतों के द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव और गुण की चर्चा।

प्र.2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें – 8

(क) केवली, सम्यग् दृष्टि, साधु, श्रावक की पदवी – छह में कौन? नौ में कौन?

(ख) चौदह जीव, चौदह अजीव – ये बोल सावद्य हैं या निरवद्य? आज्ञा में या आज्ञा के बाहर?

(ग) पाँच इन्द्रियों में कामी कितनी? भोगी कितनी? क्षेत्री कितनी? अक्षेत्री कितनी?

(घ) अठारह पाप स्थान का उदय, उपशम, क्षायिक, क्षयोपशम – छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ङ) आठ आत्मा में जानने वाली कितनी? देखने वाली कितनी?

(च) संवर निर्जरा पदार्थ में आत्मा कितनी? कौन सी?

इक्कीस द्वार – 25

प्र.3 कोई चार बोल पूरे लिखें – 20

(क) नारकी में (ख) संयता–सयंती में (ग) सज्ञानी (घ) आहारक

(ङ) अभवी (च) चक्षु दर्शनी।

प्र.4 कितने व कौन से पाते हैं? एक या दो शब्दों में उत्तर दें (कोई पांच) 5

(क) असंज्ञी में – जीव के भेद। (ख) वायुकाय में – योग।

(ग) भाषक में – गुणस्थान। (घ) संयति में – उपयोग।

(ड.) अवधि दर्शन में – आत्मा। (च) कृष्णलेश्यी – दृष्टि

(छ) औपशमिक सम्यक्त्वी में – भाव।

जैन तत्त्वप्रवेश : द्वितीय व तृतीय खण्ड – 30

प्र.5 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्द अथवा एक वाक्य में लिखें – 5

(क) निक्षेप के कितने प्रकार हैं? नाम लिखें। (ख) गर्भज जीव संज्ञी या असंज्ञी?

(ग) गणिपिटका किसे कहते हैं? उसका दूसरा नाम बतायें।

(घ) सांव्यवहारिक प्रत्यक्ष के भेदों के नाम लिखें। (ङ) हाथी में शरीर कितने?

(च) बिच्छू में इन्द्रियाँ कितनी व कौन सी? (छ) अधर्म के भेदों के नाम लिखें।

प्र.6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें – 15

(क) नय के दो प्रकार व्याख्या सहित लिखें?

(ख) निर्ग्रन्थ के प्रकारों के नाम व्याख्या सहित लिखें?

(ग) श्रावक के चार विश्राम लिखें।

(घ) गुणस्थान किसे कहते हैं? प्रथम तीन गुणस्थानों का नामोल्लेख करते हुए समझाएँ।

(ङ) आचरण की शक्ति की अपेक्षा धर्म के दो प्रकारों के साथ प्रभेदों के नाम बताएँ।

(च) गुण द्वार में से श्रावक के दस गुण बतायें।

प्र.7 कोई दो द्वार लिखें। 10

(क) सम्यग् दर्शन द्वार में सम्यक्त्व के दूषण तक लिखें

(ख) तीन इन्द्रिय वाले जीवों के नाम लिखते हुए उनकी गति, जाति आदि पूरी पृच्छा लिखें।

(ग) दान, दया, अनुकम्पा द्वार में व्यवहारिक दान तक लिखें।

पूर्व कंठस्थ ज्ञान – 25

प्र.8 किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्द अथवा एक वाक्य में लिखें – 9

(क) किस उपयोग के जीव कम किस उपयोग के जीव अधिक?

(ख) लेश्या किस कर्म का उदय? (ग) पच्चीस बोल का पन्द्रहवां बोल?

(घ) अठारह पापों का सेवन करना छह में कौन? नौ में कौन?

(ड.) अरिहन्त भगवान संज्ञी या असंज्ञी? सूक्ष्म या बादर?

(च) चौदह योग किसमें? (छ) तीन गति किसमें?

(ज) नाम कर्म का क्षयोपशम किस गुणस्थान तक?

(झ) अन्तराय कर्म का अबाधाकाल कितना? (ञ) जीव और कर्म का मिलाप कैसे होता है?

(ट) दर्शन मोहनीय कर्म की प्रकृतियों के नाम लिखें?

(ठ) असंयम में अनुराग नो कषाय की कौन सी प्रकृति है?

प्र.9 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें – 16

(क) जैन तत्त्व प्रवेश का आत्मद्वार लिखें?

(ख) प्रार्याश्चत सूत्र लिखें।

(ग) आयुष्य कर्म का लक्षण, कार्य तथा गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

(घ) तत्त्वचर्चा में सामायिक पर चर्चा लिखें।

(ड.) पच्चीस बोल की चर्चा में उन्नीसवाँ बोल ध्यान चार लिखें।

(च) पच्चीस बोल की चतुर्भंगी में ग्यारहवें बोल की चतुर्भंगी लिखें।

(छ) ज्ञानावरणीय कर्म भोगने के कितने हेतु हैं नाम बतायें?

या

अंक 23 के कितने व कौन से भांगे हो सकते हैं?